युवा सोच को आयाम देने के लिए बनेंगे रिसर्च पार्क

जासं, कानपुर : स्नातक और स्नातकोत्तर छात्रों की सोच अब कॉलेज में दम नहीं तोड़ेगी। युवा सोच को आयाम देने के लिए छत्रपति शाहू जी महाराज विश्वविद्यालय (सीएसजेएमयू) और हरकोर्ट बटलर प्राविधिक विश्वविद्यालय (एचबीटीयू) में रिसर्च पार्क बनेंगे। विश्वविद्यालय अनुदान आयोग (यूजीसी) ने इसके लिए विश्वविद्यालयों और डिग्री कॉलेजों से सुझाव मांगे हैं।

शिक्षण संस्थानों और उद्योगों के बीच तालमेल बढ़ाने के लिए यूजीसी ने ये योजना तैयार की है। इन टेक्नोलॉजी इनोवेशन सेंटर व रिसर्च पार्क में अपनी सोच को आयाम देने के साथ-साथ छात्र कौशल विकास से भी जुड़ सकेंगे। साथ ही उद्यमियों के सामने आ रही तकनीकी समस्याओं से रूबरू होंगे। इसके अलावा यहां रिसर्च वर्क को बढ़ावा दिया जाएगा। फिलहाल यूजीसी ने विश्वविद्यालय से

योजना

- शहर में सीएसजेएमयू और एचबीटीयू में होगी स्थापना
- यूजीसी ने विश्वविद्यालयों व डिग्री कॉलेजों से मांगे सुझाव

सुझाव मांगे हैं कि इस कार्य के लिए किस प्रकार की रूपरेखा तैयार की जाए। कुलपति नीलिमा गुप्ता ने बताया कि यूजीसी ने सभी विश्वविद्यालयों को पत्र भेजकर रिसर्च पार्क स्थापित किए जा के सुझाव मांगे हैं। इंक्यूबेशन सेंटर इसकी स्थापना की जाएगी। शासन दिशा-निर्देश मिलते ही काम शुरू व दिया जाएगा।

इनोवेशन सेंटर के लिए मिला अनुदा

प्रो. नीलिमा गुप्ता ने बताया विश्वविद्यालय में स्थापित इनोवे एंड इंक्यूबेशन सेंटर के तहत उद्यमित कौशल विकास पर पहले से ही काम रहा है। इसके लिए 6.73 लाख रुपये अनुदान भी दिया जा चुका है।

पांच करोड़ की लागत से बनेगी इम

हरकोर्ट बटलर प्राविधिक विश्वविद्य (एचबीटीयू) के कुलसचिव प्रो. म शुक्ला ने बताया कि संस्थान में करोड़ की लागत से इनोवेशन सेंट इमारत बनाई जा चुकी है। ऐसी ही और इमारत बन रही है। इसी में पार्क बनाया जाएगा।